# कॉलेज परिसर में जलभराव छतों से रिस रहा पानी

## मॉडल साइंस के छात्रों ने रीवा विधायक को सुनाया दर्द, सौंपा ज्ञापन

**जागरण, रीवा।** मॉडल साइंस कॉलेज के छात्रों ने शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन किया। कॉलेज की खस्ताहाल व्यवस्था को लेकर छात्रों ने नारेबाजी की। शुक्रवार को कॉलेज पहुंचे पूर्व मंत्री व रीवा विधायक राजेंद्र शुक्ला को छात्रों ने ज्ञापन भी सौंपा। ज्ञापन में छात्रों ने कॉलेज परिसर की खराब सड़कों में सुधार करने की मांग उठाई। साथ ही परिसर में होने वाले जलभराव पर रोक लगाने आवश्यक उपाय करने के लिए कहा। छात्रों ने रीवा विधायक को ज्ञापन में बताया कि कॉलेज के पुराने भवन का प्लास्टर जगह-जगह से गिर रहा है, लिहाजा कभी भी छात्रों के साथ बड़ी घटना हो सकती है। यहीं नहीं, पुराने भवन की लगभग सभी कक्षाओं की छत से वर्षा का पानी रिसता है। छात्रों ने बताया कि कॉलेज परिसर के लगभग सभी सीसीटीवी कैमरे बंद है, जिसका फायदा उठाकर पूरे दिन कॉलेज परिसर में असामाजिक तत्व मंडराते रहते हैं। छात्र संगठनों के लोग बिना अनुमति कक्षाओं में घुसकर जबरन सदस्यता अभियान चलाते हैं। उक्त समस्याओं की तरफ ध्यान आकृष्ट कराते हुए छात्रों ने शासन के जरिये उचित कार्यवाही करवाने की मांग रीवा विधायक के समक्ष रखी है। इस दौरान छात्र नेता अनुलक्ष्य उपाध्याय, अनुराग चतुर्वेदी, विवेक तिवारी, धीरेंद्र तिवारी, विकाश त्रिपाठी, सौरभ पाण्डेय सहित अन्य छात्रगण उपस्थित रहे।

# नशामुक्ति के लिए निकली रैली

## मनाया जा रहा मद्य निषेध सप्ताह

**जागरण, रीवा।** राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर से प्रारंभ हुए मद्य निषेध सप्ताह अंतर्गत सामाजिक न्याय विभाग द्वारा जिला स्तरीय रैली का आयोजन किया गया जिसमें शहर के विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं एवं स्वयंसेवी संगठनों के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रैली का शुभारंभ टीआरएस कॉलेज से हुआ। रैली शिल्पी प्लाजा, पीली कोठी, कमिश्नर कार्यालय होती हुई स्वयंवर गार्डन में समाप्त हुई। रैली के समापन अवसर पर स्वयंवर गार्डन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कमिश्नर रीवा संभाग डॉ. अशोक कुमार भार्गव ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि नशा नाश की जड़ है। नशा हमारे विवेक को नष्ट कर देता है। यह जीवन को बर्बाद कर देता है और सामाजिक प्रतिष्ठा को धूमिल कर देता है, इसलिए व्यक्ति को नशा नहीं करना चाहिए।

### दिलाई गई शपथ

कार्यक्रम में कमिश्नर डॉ. भार्गव ने उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं जन समुदाय को नशा नहीं करने की शपथ दिलाई। नशा मुक्ति संदेश देने के लिए हर दिल की अब यह है चाहत, नशा मुक्त हो मेरा भारत तथा ज्ञान हमें फैलाना है, नशे को मार भगाना है जैसे नारे लगाए गए।

प्रारंभ में संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय विभाग अनिल दुबे द्वारा कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला गया। समाजसेवी सुजीत द्विवेदी ने नशा नहीं करने की समझाइश दी। उन्होंने कहा कि नशाखोरी इंसान को बुराई की ओर ले जाती है। नशा त्यागकर हम सभी को समाज को कुछ देने की कोशिश करना चाहिए। कार्यक्रम में निवेदिता कल्याण समिति, शहीद भगत सिंह समिति, जगदीश बैजनाथ वेलफेयर सोसाइटी आदि स्वयंसेवी तथा सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों एवं सदस्यों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में सहायक संचालक शिक्षा प्रेमलाल मिश्रा, एसडीएम त्रिपाठी, मुनेन्द्र चतुर्वेदी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

# समस्या के मूल में गए बिना सफल नहीं होगा शोधकार्य

## विवि के गणित विभाग में विशेष व्याख्यान का हुआ आयोजन

**जागरण, रीवा।** अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में शुक्रवार को शोधपत्र की गुणवत्ता विषय पर विशेष व्याख्यान समारोह का आयोजन हुआ। विश्वविद्यालय के गणित विभाग द्वारा आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. पीयूष रंजन अग्रवाल रहे। नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज की ओर से हुए व्याख्यान में कुलपति प्रो अग्रवाल ने कहा, समस्याओं के मूल में गए बिना गुणवत्तायुक्त शोधकार्य करने में सफलता नहीं मिल सकती। इसलिए शोधकार्य करते समय छात्र समस्याओं के मूल में जाकर ऐसी गुणवत्ता युक्त प्रविधि से कार्य करें, जो समाज के लिए हितकारी हो। इस दौरान नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज के महामंत्री व प्रख्यात गणितज्ञ प्रो. सत्यदेव त्रिपाठी ने गणित विषय में उत्कृष्ट शोध कार्य में सारगर्भित व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि जब तक गणित के मूल सिद्धांतों पर काम नहीं होगा, तब तक उच्च स्तरीय शोध सम्भव नहीं हो सकता। इस मौके पर विभागाध्यक्ष प्रो. आरएन सिंह, प्रो. जेपी सिंह, प्रो. विजय अग्रवाल, प्रो. आरके कटारे, प्रो. जेपी मिश्रा, प्रो. आरएन पटेल, प्रो. महेश श्रीवास्तव, प्रो. दिनेश कुशवाह, डॉ शेषमणि पटेल सहित अन्य शिक्षक व छात्र मौजूद रहे।

# शिक्षकों का टोटा, कॉलेजों में प्रभावित हो रहा शैक्षणिक कार्य

## अब तक नहीं हो पाई नियमित शिक्षकों की नियुक्ति, एक तिहाई से ज्यादा पद रिक्त

जागरण, रीवा

जिला समेत सम्भाग के सभी सरकारी महाविद्यालयों में शिक्षण कार्य प्रभावित हो रहे हैं। नये सत्र की शुरुआत हो चुकी है, इसके बावजूद कक्षाओं का संचालन अब तक ठीक से शुरू नहीं हो पाया है। नियमित शिक्षकों की कमी सभी सरकारी महाविद्यालयों में है, फिर भी राज्य शासन इन रिक्त पदों को भरने के लिए कोशिश नहीं कर रहा है। रिक्त पदों पर तैनात अतिथि विद्वान भी पूरी शिद्दत से अध्यापन कार्य नहीं कर पा रहे हैं। लिहाजा सरकारी महाविद्यालयों में शिक्षण गुणवत्ता दिनोंदिन गिरती जा रही है।

गौरतलब है कि अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा क्षेत्रीय कार्यालय रीवा अंतर्गत 71 सरकारी महाविद्यालय हैं। रीवा व शहडोल सम्भाग के सातों जिलों में ये महाविद्यालय संचालित हैं। इन महाविद्यालयों में सहायक प्राध्यापकों के 1 हजार 57 पद स्वीकृत हैं। इनमें से महज 369 पद ही भरे हुए हैं। सहायक प्राध्यापकों के शेष 688 यानि 65 फीसदी पद रिक्त हैं। ऐसे में सरकारी महाविद्यालयों की शैक्षणिक गुणवत्ता का स्तर गिरना स्वाभाविक है।

### ऑनलाइन विकल्प चुनने का मौका

इन रिक्त पदों को भरने उच्च शिक्षा विभाग ने वर्ष 2018 में एमपीपीएससी परीक्षा का आयोजन कराया। परीक्षा का रिजल्ट भी एमपीपीएससी ने जारी कर दिया है। अब पिछले 8 माह से विभाग रिक्त पदों पर चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्त नहीं कर पा रहा है। हाल ही में इस बाबत चयनित सहायक प्राध्यापकों ने आंदोलन किया, लेकिन इसका कोई असर सरकार पर नहीं पड़ा है। हालांकि अब विभाग द्वारा च्वाइस फिलिंग प्रक्रिया शुरू कराई जा रही है, जिसमें चयनित अभ्यर्थी अपनी मनचाही पोस्टिंग के लिए ऑनलाइन विकल्प दे सकेंगे। उक्त प्रक्रिया के बाद पोस्टिंग आदेश कब जारी होंगे, यह स्पष्ट नहीं है।

**विधानसभा तक पहुंच चुका मामला :** सरकारी महाविद्यालयों में रिक्त पदों को लेकर विधानसभा में सवाल उठा करते हैं। विभागीय मंत्री संबंधित को रिक्त पदों की जानकारी दे देते हैं और संबंधित विधानसभा सदस्य शांत हो जाता है। पिछले कई वर्षों से इस तरह की कार्यवाही सदन में देखने को मिलती रहती है। विगत दिनों विधानसभा सत्र में भी रिक्त पदों को लेकर प्रश्न लगाया गया था। उस प्रश्न के जवाब में ही एडी रीवा ने रिक्त पदों की जानकारी विधानसभा पटल पर दी थी।

| | कीड़ा अधिकारी | | सहा. प्रा. | |
|---|---|---|---|---|
| जिला | स्वी. पद | रिक्त | स्वी. पद | रिक्त |
| रीवा | 14 | 12 | 330 | 168 |
| सतना | 13 | 12 | 229 | 116 |
| सीधी | 06 | 06 | 106 | 74 |
| सिंगरौली | 07 | 06 | 86 | 71 |
| शहडोल | 05 | 03 | 124 | 97 |
| अनूपपुर | 07 | 07 | 90 | 79 |
| उमरिया | 06 | 06 | 92 | 83 |

### खेल गतिविधियों का भी बुरा हश्र

सम्भाग के सरकारी महाविद्यालयों में खेल गतिविधियों का भी बुरा हश्र है। जिला समेत सम्भाग के सरकारी कॉलेज में नियमित क्रीड़ा अधिकारियों की भारी कमी है। एडी रीवा अंतर्गत 71 सरकारी कॉलेज में से मात्र 6 कॉलेज में नियमित क्रीड़ा अधिकारी हैं। शेष सभी 64 सरकारी कॉलेज क्रीड़ा अधिकारी विहीन हैं। इन कॉलेजों में अतिथि क्रीड़ा अधिकारियों के हवाले खेल गतिविधियां हैं। ऐसे में कॉलेजों में पढ़ने वाले छात्रों को खेलों में हुनर निखारने बेहतर मार्गदर्शन नहीं मिल पा रहा है।

# लोकनृत्य नृत्य में छात्रों ने बिखेरा जलवा

## टीआरएस कॉलेज में जिलास्तरीय युवा उत्सव का हुआ आयोजन

**जागरण, रीवा।** शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय में शुक्रवार को युवा उत्सव का आयोजन हुआ। महाविद्यालय के सर गुलाब सिंह जूदेव सभागार में हुए जिलास्तरीय आयोजन में छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। छात्रों ने एकल गायन शास्त्रीय, परकुशन, एकल वादन नान परकुशन, सुगम, पाश्चात्य व समूह गायन भारतीय-पाश्चात्य में शानदार प्रदर्शन किया। इसके अतिरिक्त एकल नृत्य शास्त्रीय तथा समूह लोक नृत्य में भी प्रतिभागियों ने अपना जलवा बिखेरा। उक्त समस्त विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्राचार्य डॉ रामलला शुक्ल ने सम्मानित किया। इस दौरान युवा उत्सव प्रभारी डॉ शिप्रा द्विवेदी, डॉ नागेश त्रिपाठी, डॉ सरिता पाठक, डॉ आरएन तिवारी, डॉ संजय सिंह, डॉ कल्पना अग्रवाल, डॉ एसपी शुक्ल, डॉ महेश शुक्ल, डॉ केके शर्मा, डॉ शशि त्रिपाठी, डॉ सीएम मिश्रा, डॉ अखिलेश शुक्ल, डॉ राजकिशोर मिश्रा, डॉ प्रवीण पाठक, डॉ ओपी शुक्ल, डॉ केके द्विवेदी, डॉ रानू तिवारी, डॉ दिव्या मिश्रा सहित अन्य शिक्षक व छात्रगणों की उपस्थिति रही।

**मॉडल साइंस में भी हुआ आयोजन :** शासकीय मॉडल साइंस कॉलेज में भी शुक्रवार को जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। इस दौरान कॉलेज में पोस्टर प्रतियोगिता सहित अन्य विधाओं में प्रतियोगिताएं हुई, जिनमें छात्रों ने अपनी भागीदारी निभाई। इसी समय कॉलेज में बुक बैंक-पुस्तक वितरण समारोह भी हुआ, जिसमें मुख्य रूप से रीवा विधायक राजेंद्र शुक्ल उपस्थित रहे। युवा उत्सव कार्यक्रम में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को उन्होंने सम्मानित किया। कार्यक्रम के समय प्राचार्य सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

### अष्टभुजा कॉलेज ने रोकी डीएलएड की अंकसूची

रीवा। मऊगंज के मां गायत्री पब्लिक स्कूल के शिक्षकों को डीएलएड की अंकसूची नहीं मिल रही है। पटेहरा स्थित मां अष्टभुजा कॉलेज प्रबंधन द्वारा जबरन शिक्षकों की अंकसूची रोक कर रखी गई है। अंकसूची न मिलने से परेशान अभ्यर्थी कॉलेज के चक्कर काट रहे हैं परंतु कॉलेज प्रबंधन द्वारा छात्रों को अंकसूची देने में आनाकानी की जा रही है। अब अंकसूची न मिलने पर अभ्यर्थियों ने वृहद आंदोलन की योजना बनाई है, जो आक्रोश के रूप में शीघ्र ही सामने आ सकता है। अभ्यर्थियों द्वारा बताया गया कि विद्यालय के शिक्षकों का स्टडी सेंटर प्रथम वर्ष के समय शासकीय बालक विद्यालय देवतालाब रहा। उस समय अभ्यर्थियों ने अपने सभी रिकार्ड यहीं जमा कराये। फिर तीसरे चरण की परीक्षा के बाद स्टडी सेंटर बदलकर मां अष्टभुजा कॉलेज कर दिया गया, तब से प्रबंधन द्वारा बेवजह अभ्यर्थियों को परेशान किया जा रहा है। प्रबंधन की उक्त मनमानी पर ज्योत्सा मिश्रा, कमलेश कुमार तिवारी, रजनीश शुक्ला, निर्मला साकेत, रघुवेंद्र प्रसाद नापित, अखिलेश द्विवेदी, प्रवीण शुक्ला, रंजना तिवारी आदि ने आपत्ति जताई है।

# प्लेटफार्म में विद्युत पोल लगाने का काम शुरू

## रीवा-सतना रेललाइन विद्युतीकरण को लेकर कवायद हुई तेज

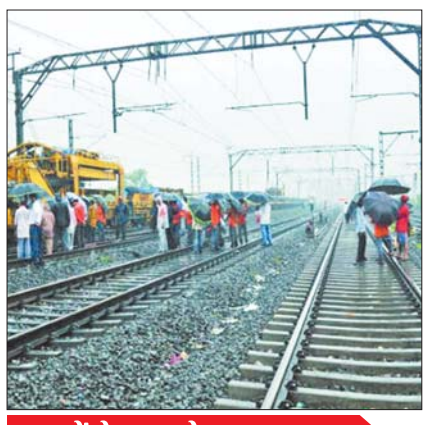

**जागरण, रीवा।** रेलवे स्टेशन के दोनों प्लेटफार्म में विद्युतीकरण का काम शुरू हो गया है। रेललाइन विद्युतीकरण के इस कार्य के लिए प्लेटफार्म 1 व 2 में चार-चार पोल गाड़ने की प्रक्रिया फिलहाल चल रही है। संबंधित कम्पनी द्वारा पोल गाड़ने के बाद केबिलीकरण कराया जायेगा। यह प्रक्रिया रीवा से सतना 57 किलोमीटर लम्बी रेललाइन में जब पूरी होगी, तब रीवा स्टेशन से भी सारी ट्रेन इलेक्ट्रिक इंजन के साथ दौड़ने लगेंगी। रेल प्रशासन ने रीवा से सतना विद्युतीकरण के लिए दिसम्बर 2019 का लक्ष्य निर्धारित किया है। हालाकि मौजूदा स्थिति को देखते हुए यह लक्ष्य पूरा होना मुश्किल लग रहा है। फिर भी अगले माह तक स्टेशन में विद्युतीकरण होने की बात कही जा रही है।

गौरतलब है, पश्चिम मध्य रेलवे अंतर्गत तीन महत्वपूर्ण रेललाइनों का विद्युतीकरण करने का काम वर्ष 2014 में शुरू हुआ था। कटनी से इटारसी, कटनी से मानिकपुर व रीवा से सतना रेललाइन विद्युतीकरण कराने की कार्यवाही पिछले पांच साल से चल रही है। पहले परियोजना को पूरा करने का लक्ष्य मार्च 2018 तय रहा। इस बाबत 861 करोड़ रुपये खर्च करने का बजट रेल प्रशासन ने बनाया। बजट 2018 में 653 किलोमीटर की रेललाइन में विद्युतीकरण के लिए 63 करोड़ रुपये भी मिले थे। उसके बाद से रेलवे ने इस रेललाइन के लिए अलग से बजट भी नहीं दिया। अब मौजूदा हालात को देखते हुए रेलवे ने टुकड़ों में लक्ष्य को बांट रखा है।

### गड़बड़ियों को भी सुधारा जाएगा

बताते हैं कि इटारसी से पिपरिया तक विद्युतीकरण का काम पूरा हो चुका है। कटनी रेलखण्ड में भी 80 फीसदी से ज्यादा विद्युतीकरण हो गया है। अब कटनी से सतना रेललाइन का विद्युतीकरण करने के साथ रीवा-सतना ट्रैक को विद्युतीकरण से युक्त करने ऊर्जा खर्च की जायेगी। सतना से कटनी के मध्य पोल लगाने के साथ ओवरहेड इलेक्ट्रिक लाइन बिछ गई है। रीवा से सतना के बीच पोल फाउंडेशन यानि विद्युल पोल लगाने का काम हुआ है। कुछ दूरी तक 25 केवीए की विद्युत लाइन भी बिछाई गई, परंतु अब कुछ सुधार के साथ पुनः ठेका कम्पनी यहां विद्युतीकरण का काम करेगी।

### यह होंगे फायदे

- प्रदूषणरहित रेल आवागमन होगा।
- डीजल इंजन की अपेक्षा इलेक्ट्रिक इंजन से ट्रेन चलने पर रेलवे को बचत होगी।
- सभी प्रकार की ट्रेन की गति बढ़ सकेगी।
- नई ट्रेन चलने की सम्भावना बढ़ेगी।
- कटनी, इटारसी, मानिकपुर में यात्री गाड़ियों का इंजन बदलने में लगने वाले 20 मिनट समय की बचत होगी।
- इंजन फेल होने की घटनाओं में कमी आयेगी।

### कोवरा से ठेका छीना, अब एसकेएस कर रही काम

वर्ष 2014 से शुरू हुए इस काम में कई अवरोध उत्पन्न होते रहे। पुरानी ठेका कम्पनी द्वारा की गई गड़बड़ी इस परियोजना में देरी का मुख्य कारण रही। लापरवाही व गुणवत्ताविहीन हुए कार्य के चलते ही वर्ष 2016 में कोवरा इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड (सीआईपीएल) कम्पनी का ठेका निरस्त किया जा चुका है। कम्पनी पर सीबीआई ने प्रकरण भी दर्ज किया है। इधर रेल प्रशासन द्वारा वर्ष 2017 में नये सिरे से ठेका आगरा की एसकेएस सीईसी जेवी कम्पनी को दिया गया, जो पुराने कार्य में सुधार के साथ नया विद्युतीकरण भी करेगी।

# दीपावली के मौके पर भी स्पेशल ट्रेन चलने के आसार

## नियमित रेवांचल ट्रेन में बढ़ती वेटिंग को देख पमरे ने शुरू की तैयारी

**जागरण, रीवा।** दीपावली के मौके पर हबीबगंज से रीवा के लिए स्पेशल ट्रेन चल सकती है। पश्चिम मध्य रेलवे ने इस बाबत तैयारी शुरू कर दी है। नियमित रेवांचल सुपरफास्ट ट्रेन में उक्त समय बढ़ती भीड़ को देख रेल प्रशासन इस पर विचार कर रहा है। सम्भव है कि शीघ्र ही रेल प्रशासन दीपावली के समय स्पेशल ट्रेन चलाने की सूचना जारी कर दें।

गौरतलब है कि खास त्यौहारों में से एक दीपावली आगामी 27 अक्टूबर को है। इस त्यौहार के दिन भोपाल में रहने वाले रीवा निवासी हजारों छात्र व नौकरीपेशा लोग रीवा का रूख करते हैं। ऐसे समय में एकमात्र नियमित रेवांचल ट्रेन की हालत अक्सर खराब हो जाती है। आगामी 25 व 26 अक्टूबर को भी नियमित रेवांचल के स्लीपर कोच में क्रमशः 219 व 131 वेटिंग चल रही है। लिहाजा रेल प्रशासन इन विशेष दिनों में विशेष ट्रेन चलाने का प्रयास करता रहता है। जैसे फिलहाल भोपाल से रीवा के लिए रेल प्रशासन दुर्गा पूजा स्पेशल ट्रेन चला रहा है। इसी क्रम में इस बार भी भोपाल से रीवा के लिए दीपावली स्पेशल ट्रेन चलना तय माना जा रहा है।

### आनंद विहार ट्रेन के यात्रियों की ज्यादा फजीहत

आगामी त्यौहार के मद्देनजर ही रेल प्रशासन ने नियमित रेवांचल में दो सेकेण्ड एसी कोच बढ़ाए हैं। ऐसे ही रीवा-जबलपुर इंटरसिटी ट्रेन में भी दो सामान्य कोच बढ़े हैं। वहीं, रीवा से चलने वाली अन्य 9 ट्रेन के लिए फिलहाल इस तरह की सुविधा रेल प्रशासन ने नहीं दी है। जबकि त्यौहार के दिनों में आनंद विहार ट्रेन के यात्रियों सबसे ज्यादा संघर्ष करना पड़ता है। इसके अलावा साप्ताहिक राजकोट, महामना व नागपुर ट्रेन के फेरे बढ़ाने पर भी रेल प्रशासन द्वारा पहले कभी ध्यान नहीं दिया गया। अब आगामी त्यौहार में यात्री फिर रेल प्रशासन की तरफ उम्मीद भरी निगाहों से देख रहे हैं।

# बच्चों ने कागजों में बनाई वन्यजीवों की कलाकृति

**जागरण, रीवा।** वन विभाग द्वारा इन दिनों वन्य प्राणी सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के चौथे दिन शुक्रवार को स्कूल के सीनियर छात्रों की पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें बच्चों ने वन्य प्राणियों की सुरक्षा से लेकर टाइगर सफारी तक की कलाकृतियों को कागजों पर पेंटिंग बनाकर दर्शाया। पेंटिंग में वन्य प्राणियों के बचाव की भी कलाकृति स्कूली बच्चों ने बनाई। बच्चों की पेंटिंग की जिला वनमंडल अधिकारी एवं उप वनमंडलाधिकारी ऋषि मिश्रा ने देखा और काफी सराहना की।

# एनएसयूआई के बेतुके आरोप अभाविप ने नकारे

**जागरण, रीवा।** अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने एनएसयूआई के आरोपों को खारिज किया है। एनएसयूआई ने परिषद के पदाधिकारियों पर जबरन छात्रों को संगठन की सदस्यता दिलाने का आरोप लगाया था। इस मसले में एनएसयूआई ने एक छात्र का वीडियो भी जारी किया था। इसके विरोध में परिषद के नगर सहमंत्री सम्राट गौतम ने कहा कि 2 से 25 सितम्बर तक चला परिषद का सदस्यता अभियान उम्मीद से अधिक सफल रहा। एनएसयूआई को परिषद का यह विस्तार रास नहीं आया, लिहाजा एनएसयूआई द्वारा खींझ निकालने के लिए इस तरह के बेतुके आरोप लगाए जा रहे हैं। नगर सहमंत्री ने कहा कि जिस छात्र का वीडियो एनएसयूआई ने जारी किया है, वह जबरन संबंधित छात्र से बुलवाया गया है। उक्त छात्र आज भी परिषद के साथ ही है। इसकी जानकारी कोई भी उक्त छात्र से ले सकता है। नगर सहमंत्री ने एनएसयूआई के उक्त आरोप की निंदा की है।

### पदाधिकारियों ने किया पौधरोपण

अभाविप की टीआरएस कॉलेज इकाई ने शुक्रवार को पौधरोपण किया। इस मौके पर परिषद पदाधिकारियों ने कॉलेज परिसर में फलदार पौधों का रोपण किया। साथ ही एक-एक कार्यकर्ता को पौधों के सुरक्षा की जिम्मेदारी भी सौंपी गई। इस अवसर पर जिला संयोजक भास्कर मिश्रा, नगर मंत्री शिवेश उपाध्याय, आशीष तिवारी, तरूणेंद्र सिंह, सूरज, विक्रांत, सुशील, सौरभ, हिमांशु, आशीष राजपूत सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।